# संरक्षक की कलम से

प्रिय पाठकों,

मुझे यह कहते हुए अपार प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को समुचित बढ़ावा देने के लिए वर्षभर हिंदी की भिन्न-भिन्न गतिविधियां आयोजित करता रहता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए संस्थान दो हिंदी पत्रिकाएं भी प्रकाशित कर रहा है। प्रयास यह रहता है कि प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी का यथासंभव प्रयोग किया जाए। भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संस्थान हर संभव प्रयास कर रहा है। यद्यपि संस्थान के कार्य वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रकृति के हैं और सामान्यतः यह समझा जाता है कि तकनीकी कार्यों का निष्पादन हिंदी में करना काफी कठिन है, परन्तु प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के जरिए इन कार्यों में हिंदी का समुचित प्रयोग करने के प्रयास किए जा रहे हैं और इस दिशा में धीरे-धीरे ही सही परन्तु सफलता मिल रही है।

संस्थान पिछले 23-24 वर्षों से "प्रवाहिनी" नामक वार्षिक गृह पत्रिका का निरन्तर एवं सफलतापूर्वक प्रकाशन करता आ रहा है जिसमें सामान्य लेखों को शामिल किया जाता है। तकनीकी एवं वैज्ञानिक विषयों की जानकारियों को सामान्य जनमानस तक पहुंचाने की मंशा को दृष्टिगत रखते हुए संस्थान ने पिछले 6-7 वर्षों से तकनीकी पत्रिका "जल चेतना" का प्रकाशन प्रारंभ किया है। प्रबुद्ध लेखकों की रोचक एवं महत्वपूर्ण रचनाओं के सहयोग से इस पत्रिका का सफलतापूर्वक प्रकाशन किया जा रहा है और इसकी हर स्तर पर प्रशंसा हो रही है।

आज हमारे ही देश में नहीं अपितु पूरे विश्व में जल से जुड़ी विभिन्न समस्याएं दिनों-दिन बढ़ती जा रही हैं जिनके समाधान के लिए व्यापक एवं कारगर उपाय ढूंढने होंगे। हमारे देश में समय और स्थान के अनुसार ये समस्याएं भिन्न-भिन्न हैं। वैज्ञानिकगण इन पर ध्यान केंद्रित कर इनका समाधान ढूंढ रहे हैं। इन समाधानों और उपायों की जानकारी को सामान्य जन मानस तक पहुंचाने का कार्य कर रही है हमारी यह पत्रिका "जल चेतना"।

मैं उन समस्त प्रबुद्ध लेखकों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस पत्रिका के लिए अपने रोचक तथा महत्वपूर्ण लेख भेजकर इसके प्रकाशन में अपेक्षित सहयोग दिया है। पत्रिका का संपादक मंडल बधाई का पात्र है।

मैं पत्रिका की अपार सफलता की मंगल कामना करता हूं।

राजदेव सिंह

(राजदेव सिंह)

**निदेशक**

**राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान**

**National Institute of Hydrology**

(जल संसाधन मंत्रालय के अधीन भारत सरकार की समिति)
(Government of India Society under Ministry of Water Resources)

जलविज्ञान भवन
Jalvigyan Bhawan

रुड़की – 247 667, भारत
Roorkee - 247 667, INDIA